DR. K. L. RAO : I do not follow exactly what the hon. Member said. Thein Dam scheme is a very complicated scheme. Water comes from Himachal Pradesh. The dam is located at a place in Jammu and Kashmir on one side and Punjab on the other side and the submersion of areas is in Jammu and Kashmir, mostly in Jammu and Kashmir and some areas in Punjab and Himachal Pradesh also will be submerged. There are a lot of claimants to the water.

The Chief Ministers, in order to ensure that the project may be undertaken early and not wait for a decision to be taken, agreed to have the project processed and taken up for execution by the Centre. What we want is that the project should be started at the earliest possible time.

So far as the Central Government is involved, the necessary discussions are being held with the concerned Ministries at the Centre as to how far this can be taken up as a central project.

श्री भान सिंह भौरा : श्री दरबारा सिंह ने जो सवाल किया उसका जवाब आपने अभी तक नहीं दिया है । सवाल यह है कि चीफ मिनिस्टर ने जो फैसला करना था वह कर दिया है कि इतना रुपया सैन्ट्रल गवर्नमेन्ट ने देना है और इतना रुपया हम देंगे लेकिन सेन्ट्रल ने टेक ओवर कर लिया है या नहीं, अगर नहीं किया है तो कितनी देर में करेंग और कितनी देर में कांस्ट्रक्शन शुरू होगा ?

DR. K. L. RAO : As I submitted already in reply to an earlier question, the matter is under consideration between the concerned Ministries as to whether the Centre should finance the entire project . . .*(Interruptions)* It is a Rs. 90 crores project and to what extent the Centre can take up the burden is under consideration.

Setting up of a Sulphuric Acid Plant in Rohtas District

*484. SHRI BIBHUTI MISHRA : Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state :

(a) whether a memorandum has been submitted to him for setting up a Sulphuric Acid Plant at Amjhur in Rohtas District (Bihar); and

(b) if so, Government's reaction thereto ?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI D. K. BOROOAH) : (a) and (b). Yes, Sir. Government have been approached for setting up a Sulphuric Acid and Triple Superphosphate plant at Amjhore based on low grade pyrites available there. The P&D Division of the Fertiliser Corporation of India which has been asked to do a feasibility study is exploring the possibilities of acquiring the necessary know-how for roasting of such low grade pyrites before the question of manufacture of sulphuric acid and fertilizers based on these pyrites is considered. According to available indications, pyrittic shales with low sulphur content have not so far been used for the manufacture of sulphuric acid.

श्री विभूति मिश्र : क्या यह सही है कि सरकार के पास अभी तक कोई जांच रिपोर्ट आयी है या नहीं ? यदि आयी है तो वह रिपोर्ट क्या है और क्या यह सही है कि जो वहां पाइराइट्स है उस में फ़ौसफ़ेट की मात्रा ज्यादा है ? तो सरकार इस की जांच करा कर तुरन्त कोई निर्णय लेगी ?

श्री देवकान्त बरुआ : इस में कुछ कठिनाई है । अभी तक जो स्टडी की गयी है उस में कुछ पौइंट्स सामने आये हैं जिन पर अभी तक सिद्धान्त रूप में कोई निर्णय नहीं लिया गया है । एक पौइंट तो यह है कि जो

पाइराइट चाहते हैं उसमें सल्फर का कन्टेन्ट, 33 परसेंट होना चाहिये। लेकिन हमारे यहा जो पाइराइट्स मिला है, जो कि अतिरिक्त 3,500 टन प्रति दिन निकाल सकते हैं उस का जो सल्फर कटेंट है वह 20 परसेंट है। इस में एक सब से बडी रुकावट यह है कि कैसे लो ग्रेड पाइराइट्स को जला कर उस मे सल्फ्यूरिक ऐसिड निकाला जाय। इस के बारे मे हम ने अभी तक कोई तरकीब नही निकाली है और इसकी जाच कर रहे है। चारो तरफ दुनिया मे लो ग्रेड पाइराइट्स को रोस्ट कर के उससे कैसे सल्फ्यूरिक ऐसिड बनाया जाता है इस को कोई जानकारी हमे नही मिली है। और दूसरा कारण भी है ।

श्री विभूति मिश्र मैं मंत्री जी से जानना चाहता हू कि वह दूसरा कारण क्या है ? और बिहार मे सिंदरी का कारखाना है जिस से आन्ध्रा, बगाल को खाद मिलती है, और बिहार कृषि प्रधान सूबा है तो वहा खाद की बडी कमी है और मंत्री जी बिहार के राज्यपाल भी रह चुके है इसलिये वहा की गरीबी को देखते हुए, किसानो की हालत को देखते हुए इस योजना के बारे मे जल्दी करेगे?

श्री देवकान्त बरुआ स्पीकर साहब, दूसरा कारण यह है कि सिंदरी मे जो सल्फ्यूरिक ऐसिड का प्लान्ट बन रहा है, उससे जो सिंथेटिक जिप्सम निकलेगा वह सिंद्री फर्टिलाइजर फैक्ट्री से इस्तेमाल किया जायगा। लेकिन अमझोर मे साइट शिफ्ट होती है तो करीब पाच लाख टन के जो सिन्थेटिक जिप्सम निकलेगा उस को फिर अमझोर मे सिन्द्री लाना पडेगा, इस का भी प्रबन्ध करना पडेगा। अमझोर रेलवे स्टेशन से 40 किलोमीटर दूर है जिस के लिये रेलवे लाइन बनानी पडेगी। जो सल्फ्यूरिक ऐसिड और फौसफेरिक ऐसिड का प्लान्ट सिन्द्री मे बनाया है, उस को शिफ्ट करने में उसकी इक्विपमेंट कौस्ट चार करोड रु० ज्यादा हो जायगी। यह बात नही है कि बिहार मे खाद की कमी है, और जितना चाहिये उतना उत्पादन नही हो पाया है। लेकिन आप जानते हैं कि बिहार मे बरौनी मे जो फर्टिलाइजर फैक्ट्री बन रही है मेरे ख्याल मे शीघ्र ह उस का काम शुरू हो जायगा। इस के अलावा एक और कोल बैस्ड फर्टिलाइजर फैक्ट्री बिहार मे लगाने की सोच रहे है।

Setting up of a Fertilizer Plant at Korba in District Bilaspur, M.P.

*485 SHRI BIRENDER SINGH RAO:
SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK

Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state :

(a) whether the Central Government have finalised a proposal to set up a fertiliser plant at Korba in Bilaspur District of Madhya Pradesh,

(b) if so, the broad outlines of the project, and

(c) the time by which it will start functioning ?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI D. K. BOROOAH) (a) The setting up of a fertilizer project at Korba was originally approved in principle and the Fertilizer Corporation of India was subsequently asked to take some preliminary steps for acquisition of land, provision of infrastructure facilities and other services like water, power, etc for this project.

(b) and (c) The project is designed to produce 228,000 tonnes of nitrogen According to the present estimates, the project is expected to cost Rs 119 50 crores with a foreign exchange component of Rs. 27 10 crores. The project could be expected to be completed by about the middle of the Fifth Plan